संपादकीय

पर्यावरण अनुकूल सस्ती बिजली के विकल्प

आज सम्पूर्ण विश्व बाढ़, तूफ़ान, सूखा और कोविड जैसी समस्याओं से ग्रसित है। ये समस्याएं कहीं न कहीं मनुष्य द्वारा पर्यावरण में अत्यधिक दखल देने के कारण उत्पन्न हुई दिखती हैं। इस दखल का एक प्रमुख कारण बिजली का उत्पादन है। थर्मल पावर को बनाने के लिए बड़े क्षेत्रों में जंगलों को काट कर कोयले का खनन किया जा रहा है। इससे वनस्पति और पशु प्रभावित हो रहे हैं। जलविद्युत के उत्पादन के लिए नदियों को अवरोधित किया जा रहा है और मछलियों की जीविका दूभर हो रही है। लेकिन मनुष्य को बिजली की आवश्यकता भी है। अक्सर किसी देश के नागरिकों के जीवन स्तर को प्रति व्यक्ति बिजली की खपत से आंका जाता है। अतएव ऐसा रास्ता निकालना है कि हम बिजली का उत्पादन कर सकें और पर्यावरण के दुष्प्रभावों को भी सीमित कर सकें।

अपने देश में बिजली उत्पादन के तीन प्रमुख स्रोत हैं। पहला है थर्मल यानी कोयले से निर्मित बिजली। इसमें प्रमुख समस्या यह है कि अपने देश में कोयला सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है। हमें दूसरे देशों से कोयला भारी मात्रा में आयात करना पड़ रहा है। यदि कोयला आयात करके हम अपने जंगलों को बचा भी लें तो आस्ट्रेलिया जैसे निर्यातक देशों में जंगलों के कटने और कोयले के खनन से जो पर्यावरणीय दुष्प्रभाव होंगे वे हमें भी प्रभावित करेंगे ही।

कोयले को जलाने में कार्बन का उत्सर्जन भारी मात्रा में होता है, जिसके कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है और तूफ़ान, सूखा एवं बाढ़ जैसी आपदाएं उत्तरोत्तर बढ़ती ही जा रही हैं। बिजली उत्पादन का दूसरा स्रोत जल विद्युत अथवा हाइड्रोपावर है। इस विधि को एक साफ़ सुथरी तकनीक कहा जाता है चूंकि इससे कार्बन उत्सर्जन कम होता है। थर्मल पावर में एक यूनिट बिजली बनाने में लगभग 900 ग्राम कार्बन का उत्सर्जन होता है जबकि जल विद्युत परियोजनाओं को स्थापित करने में जो सीमेंट और लोहा आदि का उपयोग होता है, उसको बनाने में लगभग 300 ग्राम कार्बन प्रति यूनिट का उत्सर्जन होता है। जलविद्युत में कार्बन उत्सर्जन में शुद्ध कमी 600 ग्राम प्रति यूनिट आती है जो कि महत्वपूर्ण है। लेकिन जलविद्युत बनाने में दूसरे तमाम पर्यावरणीय दुष्प्रभाव पड़ते हैं। जैसे सुरंग को बनाने में विस्फोट किये जाते हैं, जिससे जलस्रोत सूखते हैं और भूस्खलन होता है। बैराज बनाने से मछलियों का आवागमन बाधित होता और जलीय जैव विविधिता नष्ट होती है। बड़े बांधों में सेडीमेंट जमा हो जाता है और सेडीमेंट के न पहुंचने के कारण गंगासागर जैसे हमारे तटीय क्षेत्र समुद्र की गोद में समाने की दिशा में हैं। पानी को टर्बाइन में माथे जाने से उसकी गुणवत्ता में कमी आती है। इस प्रकार थर्मल और हाइड्रो दोनों ही स्रोतों की पर्यावरणीय समस्या है।

सौर ऊर्जा को आगे बढ़ाने से इन दोनों के बीच रास्ता निकल सकता है। भारत सरकार ने इस दिशा में सराहनीय कदम उठाये हैं। अपने देश में सौर ऊर्जा का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। विशेष यह कि सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली का दाम लगभग तीन रुपये प्रति यूनिट आता है जबकि थर्मल बिजली का छह रुपये और जलविद्युत का आठ रुपये प्रति यूनिट। इसलिए सौर ऊर्जा हमारे लिए हर तरह से उपयुक्त है। यह सस्ती भी है और इसके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव भी तुलना में कम हैं। लेकिन सौर ऊर्जा में समस्या यह है कि यह केवल दिन के समय में बनती है। रात में और बरसात के समय बादलों के आने-जाने के कारण इसका उत्पादन अनिश्चित रहता है। ऐसे में हम सौर ऊर्जा से अपनी सुबह, शाम और रात की बिजली की जरूरतों को पूरा नहीं कर पाते हैं।

इसका उत्तम उपाय है कि 'स्टैंड अलोन' यानी कि 'स्वतंत्र' पम्प स्टोरेज विद्युत परियोजनायें बनायी जाएं। इन परियोजनायों में दो बड़े तालाब बनाये जाते हैं। एक तालाब ऊंचाई पर और दूसरा नीचे बनाया जाता है। दिन के समय जब सौर ऊर्जा उपलब्ध होती है तब नीचे के तालाब से पानी को ऊपर के तालाब में पम्प करके रख लिया जाता है।

- भरत झुनझुनवाला

म्यूचुअल फंड एसआईपी का संपदा प्रबंधन 4.67लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। व्यक्तिगत निवेशकों की दीर्घकालिक संपत्ति सृजन के तौर पर भारतीय म्युचुअल फंड उद्योग में रूचि साल-दर-साल बढ़ती जा रही है जो पिछले पांच वर्षों में एसआईपी फोलियो, एसआईपी योगदान और एसआईपी एयूएम में बढ़ोतरी से स्पष्ट है। एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक, 31 मई, 2021 तक म्यूचुअल फंड एसआईपी एयूएम चार गुना बढ़कर 4,67,366.13 करोड़ रुपये हो गया, जो 31 अगस्त 2016 को 1,25,394

करोड़ रुपये था। सालाना म्यूचुअल फंड एसआईपी योगदान भी पिछले पांच साल के दौरान दो गुना से अधिक बढ़कर 96,080 करोड़ रुपये हो गया है और यह अप्रैल 2020 से 31 मार्च, 2021 के दौरान महामारी के संकट वाले दौर में हुआ जो अप्रैल 2016 से मार्च 2017 के बीच 43,921 करोड़ रुपये से प्रभावित किया। पिछले पांच साल में, एसआईपी एयूएम में सालाना 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है, जो म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम के मुकाबले दोगुनी वृद्धि है। म्यूचुअल फंड मासिक एसआईपी योगदान 31 मई, 2021 तक 2.52 गुना बढ़कर 8,818.9 करोड़ रुपये हो गया, जो 31 अगस्त 2016 तक 3,497 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2021 के सिर्फ पहले पांच महीनों में ही एसआईपी ने 42,148 करोड़ रूपये का योगदान किया ।

म्यूचुअल फंड परिसंपत्ति वर्ग के प्रति खुदरा निवेशक के रुझान में बेहद तेज़ी से बढ़ा है जो पिछले पांच साल के दौरान म्यूचुअल फंड एसआईपी खातों की संख्या में बढ़ोतरी से स्पष्ट है। इन खातों की संख्या 30 अप्रैल 2016 तक एक करोड़ थी जो 31 मई 2021 तक लगभग चार गुना बढ़कर 3.88 करोड़ हो गई।

महीने-दर-महीने के आधार पर पंजीकृत नए एसआईपी की संख्या 31 मई, 2021 तक लगभग तीन गुना बढ़कर 15.48 लाख हो गई, जो 30 अप्रैल, 2016 तक 5.88 लाख थी।

सिर्फ 999 रुपए में हवाई सफर करने का सुनहरा मौका, एयर इंडिया दे रही ऑफर

नई दिल्ली। सरकारी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई अलायंस एयर ने आज मानसून बोनेंजा सेल की घोषणा की जिसके तहत चुनिंदा मार्गों पर किराया 999 रुपये से शुरू होगा। एयरलाइन ने बताया कि सेल 19 जून से 21 जून तक रहेगा। इसके तहत 01 अगस्त से 31 अक्टूबर तक की यात्रा के लिए टिकट बुक कराये जा सकेंगे। बेंगलुरु-मैसुरु, मैसुरु बेंगलुरु, मैसुरु-कोच्चि, कोच्चि-मैसुरु, हैदराबाद-बेलगाम, बेलगाम-हैदराबाद, दिल्ली-चंडीगढ़, चंडीगढ़-दिल्ली, कोलकाता-भुवनेश्वर और रायपुर-कोलकाता जैसे मार्गों को ऑफर में शामिल किया गया है। सेल के तहत किराया 999 रुपये से शुरू होगा। इसके अलावा यात्री एक बार यात्रा की तारीख में निःशुल्क परिवर्तन करा सेकेंगे। अलायंस एयर ने बताया कि इन मार्गों पर वह 70 सीटों वाले एटीआर72 विमानों का परिचालन करेगी।

खाद्य तेल, चीनी में टिकाव, चावल नरम, दालों में घटबढ़

नई दिल्ली। विदेशों में खाद्य तेलों में नरमी के बीच दिल्ली थोक जिंस बाजार में गुरुवार को इनके भाव स्थिर रहे। तेलों के साथ चीनी के दाम में भी टिकाव देखा गया। चावल का भाव टूट गया जबकि दालों में मिश्रित रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 35 रिंगिट लुढ़ककर 3,369 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 1.65 सेंट की नरमी के साथ 56.18 सेंट प्रति पाउंड बोला गया। स्थानीय बाजार में आवक और उठाव में संतुलन रहने से सरसों तेल, मूँगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया तेल, पाम ऑयल और वनस्पति के भावों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

15 जून तक प्रत्यक्ष कर संग्रह हुआ दोगुना

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 15जून तक प्रत्यक्ष करों के रुप में 185871करोड़ रुपए संग्रहित हुए है जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुए 92,762 करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह की तुलना में 100.4 प्रतिशत अधिक है। प्रत्यक्ष करों के शुद्ध संग्रह में 74,356 करोड़ रुपये (रिफंड के बाद) का कॉरपोरेट टैक्स (सीआईटी) और 1,11,043 करोड़ रुपये (रिफंड के बाद) का प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 में प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (रिफंड के लिए समायोजन से पहले)

2,16,602 करोड़ रुपये का हुआ है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 1,37,825 करोड़ रुपये था। इसमें 96,923 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट टैक्स (सीआईटी) और 1,19,197 करोड़ रुपये का प्रतिभूति लेन-देन कर (एसटीटी) सहित व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल हैं। लघु मद-वार कर संग्रह में 28,780 करोड़ रुपये का अग्रिम कर; 1,56,824 करोड़ रुपये का टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती); 15,343 करोड़ रुपये का स्व-आकलन कर; 14,079 करोड़ रुपये का नियमित आकलन कर; 1086 करोड़ रुपये का लाभांश वितरण कर; और 491 करोड़ रुपये का 'अन्य लघु मदों के अंतर्गत कर' शामिल हैं।

नए वित्त वर्ष के बेहद चुनौतीपूर्ण शुरुआती महीनों के बावजूद वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में अग्रिम कर संग्रह 28,780 करोड़ रुपये का हुआ है, जो इससे ठ पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में हुए 11,714 करोड़ रुपये के अग्रिम कर संग्रह की तुलना में लगभग 146 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसमें 18,358 करोड़ रुपये का कॉरपोरेट टैक्स (सीआईटी) और 10,422 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) शामिल हैं। बैंकों से अभी और जानकारियां मिलने के बाद यह राशि बढ़ जाने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2021-22 में 30,731 करोड़ रुपये की राशि के रिफंड भी जारी किए गए हैं।

टीका कवच' से लैस चालक दल साथ रवाना हुई पहली उड़ान

नई दिल्ली। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस की संयुक्त उपक्रम वाली विमान सेवा कंपनी विस्तारा पूरी तरह से 'टीका कवच' पा चुके चालक दल के साथ देश ही पहली उड़ान का परिचालन किया है। एयरलाइंस ने आज बताया कि आज सुबह 8.50 बजे विशेष उड़ान यूके963 दिल्ली से रवाना हुई और पूर्वाह्न 11.10 बजे मुंबई पहुँची। इस उड़ान के सभी पायलट और केबिन क्रू कोविड-19 के दोनों टीके लगावा चुके हैं। यही चालक दल वापसी की उड़ान में भी शामिल रहा।

विस्तारा ने दावा किया है कि देश में पहली बार किसी उड़ान में चालक दल के सभी सदस्य पूरी तरह 'टीका-कवच' से लैस थे। उसने बताया कि वह भविष्य में ऐसी और उड़ानों का परिचालन करने की योजना बना रही है।

विस्तारा के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनोद कन्नन कहा कि महामारी के खिलाफ रक्षा का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण है जिसके बल पर दुनिया भर में स्थिति सामान्य हो रही है। एयरलाइंस लगातार अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों का टीकाकरण सुनिश्चित कर रही है। यह विशेष उड़ान लोगों में हवाई यात्रा के प्रति विश्वास पैदा करेगा।

कंपनी ने पिछले दिनों कहा था कि उसने अपने लगभग सभी पात्र कर्मचारियों को कम से कम टीके का पहला डोज लगवा दिया है।

एक साधारण सी प्रेम कहानी का अनुभव करना चाहती हैं रूपल त्यागी

टेलीविजन अभिनेत्री रूपल त्यागी ने कहा है कि वह बचपन से अपने पेरेंट्स की लव स्टोरी के बारे में सुनकर और सोचकर बड़ी हुई हैं। वह उस दौर में वापस जाना चाहती हैं और सच्ची प्रेम कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं। उनके माता-पिता किस तरह से मिले और उनकी डेटिंग कैसे शुरू हुई, इसका जिक्र करते हुए रूपल ने कहा, मेरे पापा अपने दोस्तों के साथ ड्राइविंग कर रहे थे और मेरी मां मेरी मौसी के साथ सड़क के किनारे पैदल जा रही थीं। पापा ने उनकी तरफ देखा और उन्हें उनके बारे में अधिक जानने की तलब हुई।

वह आगे कहती हैं, इसलिए उन्होंने एक ही समय पर उस इलाके का चक्कर लगाना शुरू कर दिया ताकि वह मम्मी को दोबारा देख सके। हालांकि पापा में मम्मी से बात करने की हिम्मत नहीं, तो मम्मी ने ही उनसे जाकर पूछ डाला कि वह रोज उन्हें क्यों देखते हैं और इस तरह से दोनों के बीच प्रेम कहानी की शुरूआत हुई।

रूपल का मानना है कि आज की पीढ़ी में इस तरह का रोमांस देखने को नहीं मिलता है।

वह कहती हैं, मैं वाकई में उस दौर में वापस जाना चाहती हूं और इस तरह की किसी प्रेम कहानी का अनुभव करना चाहती हूं, जहां लड़का वाकई में आपको जानना चाहता है, आपको पाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि आज की हमारी पीढ़ी में इस तरह का प्यार कहीं मिसिंग है।

रूपल इस वक्त टेलीविजन धारावाहिक रंजू की बेटियां में दिखाई दे रही हैं, जिसे दंगल टीवी पर प्रसारित किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। धनप्राप्ति के योग रहेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्चों की भी अधिकता रहेगी। खराब सेहत की वजह से आप अपने जरूरी कामों को नहीं कर पाएंगे।

वृषभ :- आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ का योग बन रहा है। अपने काम करने के तरीके में बदलाव लाएं, वरना नुकसान हो सकता है।

मिथुन :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में लाभ होगा। समाज में यश, मान और सम्मान में बढ़ोतरी होगी। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी, लेकिन लोगों का व्यवहार आपके लिए निराशाजनक रहेगा।

कर्क :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। आपकी सूझबूझ से कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा। परिजनों और मित्रों से भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में तरक्की के योग हैं।

सिंह :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ होगा और धनप्राप्ति के योग रहेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से चिंता भी रहेगी।

कन्या :- आज का दिन सामान्य रहेगा। अपने करियर को लेकर चिंतित रहेंगे, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वाह बखूबी कर सकेंगे।

तुला :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। आकस्मिक धनलाभ के योग भी बन रहे हैं, लेकिन अनावश्यक और व्यर्थ खर्चे भी अधिक रहेंगे, जिससे परिवार में कलह हो सकती है।

वृश्चिक :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। सामाजिक कार्यों में सुयश मिलेगा और समाज में प्रतिष्ठा व प्रभाव की बढ़ोतरी होगी।

धनु :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। धन प्राप्ति के योग बनेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च अधिक होने से चिंतित रहेंगे। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

मकर :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा रहेगा। पारिवारिक सुख और धन में बढ़ोतरी होगी। समाज के कार्यों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

कुम्भ :- आज का दिन शुभ रहेगा। परिवार में सुख और धन की वृद्धि होगी। नौकरी में प्रमोशन का योग बन सकता है।

मीन :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में लाभ प्राप्ति के योग हैं। आर्थिक निवेश फायदेमंद होगा। धन संबंधित कार्य पूरे होंगे।

कृति सैनन को अपने नाजुक दिल के लिए है किसी की तलाश

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन ने सोशल मीडिया पर अपना रोमांटिक मूड शेयर किया। कृति ने इंस्टाग्राम पर एक प्यारा सा वीडियो साझा किया है, जिसमें वह बहन नूपुर सैनन के साथ चलती कार में बैठी हुई चेहरे के अजीब भावों को बनाते हुए देखी जा सकती हैं और वहीं बैकग्राउंड में हेमंत कुमार का गाया लोकप्रिय गीत है अपना दिल तो आवारा बज रहा है।

वीडियो में कृति एक टी शर्ट पहने हुई हैं।

अभिनेत्री ने अपने वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा, मेरा नाजुक दिल उसके पास तब तक सुरक्षित है, जब तक कि उसे कोई मिल नहीं जाता!

हाल ही में कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर साझा किया कि मुंबई की बारिश ने उन्हें एक रोमांटिक मूड में छोड़ दिया है और वह उस व्यक्ति के लिए तरस रही हैं।

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ख्यालों में खोई हुई अपनी एक खूबसूरत तस्वीर साझा की।

अभिनेत्री ने दो लाल दिल वाले इमोजी के साथ अपनी तस्वीर को कैप्शन दिया, मुंबई की बारिश से ज्यादा रोमांटिक कुछ भी नहीं, पर सिंगल लोग तो सिर्फ दिन में सपने ही देख सकते हैं। मेरे लिए कौन बना है? प्लीज सामने आओ ना।

डिजिटल स्पेस का फायदा उठा रही हैं श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का कहना है कि वह हमेशा ओटीटी प्लेटफॉर्म की विविध विशेषताओं से अवगत रही हैं। श्वेता को वेब-स्पेस में मिजार्पुर, मेड इन हेवन और लाखों मैं एक जैसे प्रोजेक्ट में उनके काम के लिए जाना जाता है। उनका आगामी काम भी ओटीटी स्पेस पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्वेता ने कहा, मैं हमेशा ओटीटी प्लेटफार्मों की विशाल और विविध विशेषताओं से अवगत रही हूं। एक अभिनेता के रूप में, मैं कंटेंट के माध्यम के कारण खुद को प्रतिबंधित करने में विश्वास नहीं

करती हूं, जिसका मैं हिस्सा बनूंगी। उन्होंने आगे कहाः बिना किसी संदेह के, डिजिटल स्पेस आज फलफूल रहा है और मुझे यकीन है कि भविष्य में भी ऐसा होना जारी रखेगा और इसे जल्दी से अपनाने से मुझे इतनी बड़ी और समृद्ध चीज का हिस्सा बनने के लिए आभारी महसूस होता है।

पपीते से तैयार करें चटपटी चटनी

पपीता एक हेल्दी फ्रूट है। इसमें पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन और फाइबर जैसे कई न्यूट्रिशंस पाए जाते हैं। तो आज इस हेल्दी चीज़ से बनाएंगे टेस्टी डिश।

सामग्री :

कच्चा पपीता- 150 ग्राम, गुड़ का चूरा- 200 ग्राम, सिरका/विनेगर- 1/2 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून, काली मिर्च पाउडर- एक चुटकी, लहसुन- 6 कलियां (बारीक कटी हुई), तुलसी- 6 पत्तियां (बारीक कटी हुई), किशमिश- 2 टेबलस्पून, हींग- 1 चुटकी, जीरा पाउडर- 1/2 टीस्पून, नमक- स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले पपीते को छीलकर कद्दूकस कर लें।

अब एक बर्तन में पपीता, गुड़ का चूरा, सिरका, लाल मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, लहसुन, हींग, किशमिश और नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। अब इस मिक्सचर को ढककर पांच घंटे के लिए रख दें। लगभग पांच घंटे बाद इस मिक्सचर को तेज आंच पर पांच मिनट तक पका लें। फिर धीमी आंच पर चम्मच से चलाते हुए दस मिनट तक पका लें। फिर गैस बंद कर दें। पपीते की चटनी को खाने या स्नैक्स के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 113

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

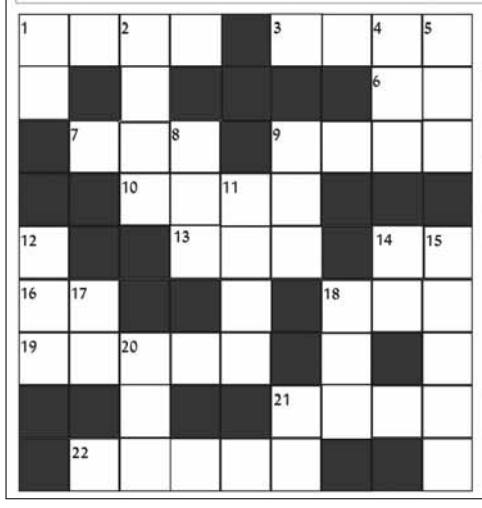

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 112 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सू-दोकू- 113

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.112 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7